दिनांक 19.06.2014 को बिहार–झारखंड राज्यों के बीच तकनीकी बैठक की कार्यवाही

बिहार एवं झारखण्ड के बीच सचिव स्तरीय प्रस्तावित अन्तर्राज्यीय बैठक की तैयारी हेतु तकनीकी बैठक में दोनों राज्यों के जल संसाधन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा भाग लिया गया जिसकी सूची परिशिष्ट – 1 पर संलग्न है।

सर्वप्रथम अभियंता प्रमुख (मध्य), जल संसाधन विभाग, बिहार द्वारा जल संसाधन विभाग, झारखण्ड से आये पदाधिकारियों तथा अन्य उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

दोनों राज्यों के पदाधिकारियों की सहमति से निम्न योजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया जिसका विवरण निम्नवत् है –

1. उत्तर कोयल जलाशय योजनाः–

1.1 गत दिनांक 07 नवम्बर 2013 के बैठक के अनुसार जलाशय स्तर को कम कर वन्यप्राणी आश्रयणी के प्रस्ताव झारखंड राज्य को स्वीकृति हेतु दाखिल करना था। प्रस्ताव शीघ्र दाखिल करने पर निर्णय हुआ।

1.2 इस परियोजना हेतु वर्ष 2013–14 में कुल रूपया 19.76 करोड़ का आवंटन निर्गत किया गया है।

1.3 उत्तर कोयल मुख्य नहर के झारखंड भाग में अवस्थित अवैध आउटलेट्स अभी तक हटाया नहीं गया है एवं वि0 दू0 103.0 पर लगभग 2800 क्यूसेक जल उपलब्ध नहीं हो रहा है। निर्णय हुआ कि अवैध आउटलेट्स अविलम्ब बन्द किये जायेगें एवं 0–103 आर0डी0 के बीच क्षतिग्रस्त लाइनिंग भाग का कार्य का प्राक्कलन झारखण्ड एवं बिहार के मुख्य अभियंता शीघ्र बैठक कर एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध करायेंगे ताकि कार्य शुरु हो सके।

2. बटाने जलाशय योजनाः–

बटाने जलाशय योजना का पुनरक्षित प्राकलन की स्वीकृति के अभाव में भुगतान में विलम्ब हो रहा है। बिहार राज्य का पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार है। झारखण्ड भाग का योजना का प्राक्कलन पुनरीक्षित कर प्राप्त नहीं हुआ है। दोनों पुनरीक्षित प्राक्कलनों को समेकित करते हुए अद्यतन पुनरीक्षित प्राक्कलन की स्वीकृति दी जायेगी। इसे एक सप्ताह के अन्दर पूरा करने पर झारखण्ड एवं बिहार के मुख्य अभियंताओं की सहमति बनी। बिहार द्वारा दायें मुख्य नहर के अवशेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण कर लेने एवं स्थानीय ग्रामीणों के पुर्नवास के मामले का समाधान करते हुए स्पीलवे के Welded किये गये गेट एवं डैम के दो Sluice गेटों को अधिष्ठापित करते हुए परिचालित करने का पुनः अनुरोध किया गया। झारखंड द्वारा मुद्दे का समाधान शीघ्र करने की आश्वासन दिया गया। बिहार सरकार द्वारा पुर्नवास मद में 3 करोड़ रूपया पूर्व में ही 2007 में दिया जा चुका है।

3. बटेश्वरस्थान गंगा पम्प नहर योजना :–

झारखण्ड भाग के 14.36–45.72 कि0मी0 के बीच मुख्य नहर के मिट्टी एवं लाइनिंग कार्य 70% पूरा कर लिया गया है । इसका अवशेष कार्य 30.06.2015 तक पूर्ण हो जायेगा। मुख्य नहर की संरचनाओं एवं वितरणी का कार्य शीघ्र पूरा करने पर झारखण्ड द्वारा सहमति दी गयी। बिहार राज्य का पुनरीक्षित DPR तैयार है तथा झारखण्ड भाग का भी पुनरीक्षित प्राक्कलन प्राप्त है। दोनों DPR को समेकित कर पुनरीक्षित DPR की स्वीकृति हेतु कारवाई बिहार द्वारा की जायेगी ।

4. **तिलैया ढ़ाढर सिंचाई योजना :**

झारखण्ड राज्य से जलाशय के जल की उपलब्धता एवं इसके उपयोग के बारे में प्रतिवेदन समर्पित किया गया। DVRRC के 112वें एवं 115वें बैठक के कार्यवाही की प्रति 01.07.14 के पहले बिहार सरकार को उपलब्ध कराना है। इस संबंध में बिहार द्वारा सक्षम Forum में अपना प्रतिरोध दर्ज कराया जायगा।

5. **अपर सकरी जलाशय योजना :**

इस योजना के अंतर्गत बकसोती बराज के निर्माण पर झारखण्ड सरकार द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई।

6. **मोहाने जलाशय योजना :**

इस योजना के अन्तर्गत बिहार द्वारा बराज के निर्माण पर झारखण्ड सरकार सैद्धांतिक रुप से सहमत है।

8. **लीलाजन जलाशय योजना :**

इस योजना पर अगली बैठक में विचार करने का निर्णय लिया गया।

9. **धनारजे जलाशय योजना :**

गत बैठक में यह सहमति बनी थी कि इस योजना मे Storage Scheme के बदले Diversion Scheme बनाया जाय। इस संबंध में निर्णय हुआ कि बिहार एवं झारखण्ड की अभियन्ताओं की एक संयुक्त तकनीकी समिति बनाई जाय जो योजना तैयार करने के कार्यान्वयन दोनों राज्यों के हितों की रक्षा करते हुए शीघ्र करें। समिति के गठन हेतु दोनों राज्यों के अभियन्ताओं को शीघ्र नामित करने पर सहमति बनी।

10. **पुनासी जलाशय योजना :**

विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं MOU का प्रस्ताव झारखंड राज्य द्वारा बिहार को दिनांक 10.08.2014 तक उपलब्ध कराने पर निर्णय हुआ।

11. **बतरे वीयर योजना :**

विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं MOU का प्रस्ताव झारखंड राज्य के द्वारा बिहार को उलब्धध कराना है जो कि अभी तक अप्राप्त है। झारखण्ड के द्वारा प्राप्त कराये जाने के उपरांत MOU पर बिहार सरकार द्वारा अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

19.6.14

मुख्य अभियंता, देवघर
जल संसाधन विभाग,
झारखण्ड, रॉची।

19/6/14

मुख्य अभियंता, मेदिनीनगर
जल संसाधन विभाग,
झारखण्ड

19/06/14

अभियंता प्रमुख (मध्य)
जल संसाधन विभाग,
बिहार पटना।